सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 273 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 14 नवम्बर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

छोटे-छोटे खर्चों से सावधान रहिये। एक छोटा सा छेद बड़े से जहाज़ को डुबा सकता है।
-बेंजामिन फ्रैंकलिन

परसेंटेज के बिना उत्तराखंड में नहीं होता... 7 | आरक्षण के इंतजार में बढ़ी मुश्किलें... 3 | गुजरात-हिमाचल में सरकार बनी तो... 2

मैनपुरी उपचुनाव : डिपल यादव के नामांकन पर अखिलेश बोले

'बड़ी जीत दर्ज करेगी सपा'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद खाली हुई मैनपुरी लोकसभा सीट पर उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की ओर से डिंपल यादव चुनाव मैदान में हैं। उपचुनाव की इस सीट के लिए डिंपल यादव ने आज दोपहर डेढ़ बजे के लगभग नामांकन कर दिया है। मैनपुरी कलेक्ट्रेट में डिंपल यादव के नामांकन के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव उनके साथ मौजूद रहे।

डिंपल यादव के साथ प्रस्तावक के रूप में पूर्व सांसद तेज प्रताप सिंह यादव, एएच हाशमी, रामनारायण बाथम, पूर्व मंत्री आलोक शाक्य भी गए हैं। सैफई से नामांकन दाखिल करने से पहले डिंपल और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव मुलायम सिंह यादव के समाधि स्थल पर पहुंचे। वहां दोनों ने नेताजी को पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उनके साथ पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव, तेजप्रताप यादव मौजूद रहे। नामांकन के बीच सैफई परिवार मैनपुरी में जुटना शुरू हो गया है। राजनीति से दूर रहने वाले मुलायम सिंह यादव के छोटे भाई अभयराम यादव मैनपुरी पहुंचे, तो उसके कुछ ही देर बाद प्रोफेसर रामगोपाल यादव भी पहुंच गए। अभयराम यादव पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मैनपुरी संध्या यादव के पिता हैं। बता दें कि मैनपुरी लोकसभा सीट को सपा का गढ़ कहा जाता है। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन बाद खाली हुई इस सीट पर उपचुनाव में पांच दिसंबर को मतदान होना है। इस पर सपा ने मुलायम सिंह यादव की पुत्रवधू डिंपल यादव का प्रत्याशी घोषित किया है। पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव चुनाव की घोषणा के बाद से ही बैठकों और प्रचार में जुटे हैं।

शिवपाल भी हमारे साथ

सपा के राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने इस मौके पर पत्रकारों से कहा कि शिवपाल यादव से पूछकर ही डिंपल के नाम पर सहमति बनी है। वो हमारे साथ हैं। उन्होंने दावा किया कि डिंपल भारी बहुमत से जीत दर्ज करेंगी। शिवपाल हमारे साथ ही रहेंगे। इसमें किसी तरह का कोई संशय नहीं है।

नामांकन से पहले अर्पित की पुष्पांजलि

सैफई से नामांकन दाखिल करने से पहले डिंपल यादव और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव मुलायम सिंह यादव के समाधि स्थल पर पहुंचे। उन्होंने नेताजी को पुष्पांजलि अर्पित की और हाथ जोड़कर उनका आशीर्वाद लिया। नामांकन के लिए जाते अखिलेश बोले, सपा बड़ा जीत दर्ज करेगी। मैनपुरी की जनता सपा के साथ है। नेताजी का कर्ज चुकाना अभी बाकी है।

मायावती ने रायबरेली की घटना को लेकर सरकार को घेरा

» कहा- यूपी में दलितों पर अत्याचार की घटनाएं आम, सरकार सख्त कदम उठाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने रायबरेली जिले में दलित समाज के लोगों को बेरहमी से पीटने के मामले में सरकार को घेरा है। मायावती ने अपने अधिकारिक ट्वीटर से ट्वीट करते हुए कहा कि यूपी के रायबरेली में दबंगों ने कई दलितों को मार-मार कर अधमरा कर दिया।

इसी प्रकार प्रदेश में आए दिन दलितों पर अत्याचार व हत्या आदि की घटनाएं आम हो गई हैं, जो अति-दु:खद, शर्मनाक व निन्दनीय हैं। सरकार इनके मामले में पूरी तत्परता व गंभीरता दिखाए तथा सख्त कदम उठाए, इसकी बसपा सरकार मांग करती है। बता दें कि यूपी के विधानसभा चुनाव 2022 में बहुजन समाज पार्टी को एक मात्र ही सीट मिली हैं। इसके बाद से मायावती भाजपा पर हमलावर है। उपचुनाव में बसपा ने अभी तक अपना कोई प्रत्याशी नहीं उतारा है।

24 की तैयारी में जुटी कांग्रेस

» कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के नेतृत्व में टास्क फोर्स की बैठक, चुनाव पर चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में 2024 के लोकसभा चुनाव पर कांग्रेस टास्क फोर्स पहली बार बैठक हुई। चुनाव रणनीति समूह के सदस्य नए अध्यक्ष को टास्क फोर्स के काम और 2024 के चुनाव की योजना से अवगत कराए। टास्क फोर्स के सदस्यों में पी चिदंबरम, मुकुल वासनिक, जयराम रमेश, केसी वेणुगोपाल, अजय माकन, रणदीप सुरजेवाला, प्रियंका गांधी वाड्रा और सुनील कनुगोलू शामिल हैं।

कांग्रेस पार्टी ने अप्रैल में, राजस्थान के उदयपुर में अपने सम्मेलन से ठीक पहले, 2024 के राष्ट्रीय चुनावों को देखते हुए और राजनीतिक चुनौतियों से निपटने के लिए एक एम्पावर्ड एक्शन ग्रुप की घोषणा की थी। इसे ही टास्क फोर्स का नाम दिया गया। पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने आठ सदस्यीय समिति द्वारा मिली एक रिपोर्ट के बाद 2024 टास्क फोर्स का गठन किया था। मल्लिकार्जुन खड़गे ने 26 अक्टूबर को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) मुख्यालय में एक समारोह के दौरान अपना कार्यभार संभाला था। वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को समारोह के दौरान चुनाव प्रमाण पत्र सौंपा गया, जिसके बाद औपचारिक रूप से वह कांग्रेस अध्यक्ष बन गए। पद संभालते हुए खड़गे ने कहा था कि उदयपुर संकल्प पत्र के तहत पार्टी के 50 फीसदी पद 50 साल से कम उम्र के लोगों को सौंपने के प्रस्ताव पर अमल किया जाएगा।

गुजरात-हिमाचल में सरकार बनी तो लागू होगी पुरानी पेंशन योजना : प्रियंका

» दोनों राज्यों में सरकार बनने पर ओपीएस लागू करेगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस पार्टी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश और गुजरात विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी की सरकार बनने पर पुरानी पेंशन योजना लागू की जाएगी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया पर कहा कि पेंशन, देश सेवा करने वाले हर सरकारी कर्मचारी का बुढ़ापे का सहारा है। पेंशन पाना हर सरकारी कर्मचारी का हक है, जिसे भाजपा सरकार उनसे छीन रही है लेकिन कांग्रेस की सरकार बनी तो पेंशन योजना को लागू किया जाएगा। प्रियंका गांधी ने कहा कि पेंशन कर्मचारियों का हक, कांग्रेस बहाल करेगी पुरानी पेंशन स्कीम।

पुरानी पेंशन को खत्म कर भाजपा ने देश के बुजुर्गों से उनकी आर्थिक सुरक्षा छीन ली। जो देशवासी जीवन भर देश की सेवा करते हैं, आखिर बुढ़ापे में वे कहां जाएं। अपना गुजर-बसर कैसे करें। जब कोई व्यक्ति सरकारी नौकरी में जाता है तो सोचता है कि जब वह रिटायर होगा तो उसे आर्थिक असुरक्षा का सामना नहीं करना पड़ेगा। पेंशन से उसका भरण-पोषण चलता रहेगा लेकिन भाजपा सिर्फ छीनना जानती है। हमारे जो सैनिक अपनी जान हथेली पर लेकर सरहदों पर देश की रक्षा करते हैं, उनकी भी आर्थिक सुरक्षा एक-एक करके छीनी जा रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी पार्टी मानती है कि देश के निर्माण में अपना योगदान देने वाले कर्मचारियों को पेंशन मिलनी चाहिए, ताकि वे बुढ़ापे में आत्मनिर्भर रह सकें। यह हर कर्मचारी का हक है। इसी को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ और राजस्थान की कांग्रेस सरकारों ने पुरानी पेंशन स्कीम लागू कर दी।

गुजरात में भी बीजेपी के लिए चुनौती बन रहे बागी

गुजरात विधानसभा चुनाव में भी भाजपा के लिए बागी चुनौती बनते नजर आ रहे हैं। टिकट नहीं मिलने से नाराज पार्टी का एक मौजूदा और चार पूर्व विधायकों ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने की धमकी दी है। भाजपा के कुछ अन्य असंतुष्ट नेताओं ने भी बगावत के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा है कि वे अपने समर्थकों से परामर्श करने के बाद अगला कदम उठाएंगे। इस बीच भाजपा के पूर्व विधायक हर्षद वसावा ने नंदोड (अनुसूचित जनजाति आरक्षित) सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। उल्लेखनीय है कि हर्षद वसावा भाजपा की गुजरात इकाई के अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष हैं और उन्होंने 2002 से 2007 और 2007 से 2012 तक पूर्ववर्ती राजपीपला सीट का प्रतिनिधित्व किया था। नर्मदा जिले की नंदोड सीट पर वर्तमान में कांग्रेस का कब्जा है। इस सीट से भाजपा ने डॉ दर्शन देशमुख को उतारा है। इस घोषणा से नाखुश हर्षद वसावा ने भाजपा में अपने पद से इस्तीफा दे दिया और नंदोड सीट के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

राष्ट्रीय अटल जनता पार्टी के अध्यक्ष व महामंत्री पर केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय अटल जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व महामंत्री के खिलाफ टिकैतनगर थाने में दो लाख रुपये हड़पने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया। प्रधानाध्यापक द्वारा एसपी से शिकायत के बाद सीओ ने मामले की जांच की थी। दोनों पर एक प्रधानाध्यापक से दो लाख रुपये हड़पने का आरोप है। पुलिस ने जांच शुरू की है। टिकैतनगर थाना क्षेत्र के ग्राम हंसौर निवासी उमेश कुमार सिंह ने एसपी से बताया कि वह बेसिक शिक्षा विभाग में प्रधानाध्यापक है।

उनके भाई सर्वेश से अमेठी जिले के टोकरीदांदू सलोन निवासी उमाकांत पांडेय से जान पहचान थी। इस दौरान उमाकांत ने उससे चार बार में दो लाख रुपये उधार लिए। अपनी एक कार दी जो बाद में यह कहकर ले ली कि कार बेचकर उधार चुकता करेंगे। आरोप है कि उमकांत ने पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री रायबरेली निवासी अर्जुन शर्मा के खाते में पैसे लिए। अब पैसे देने की बजाय दोनों लोगों द्वारा धमकाया जा रहा है। उल्टे किसी मुकदमें में फंसाने की धमकी मिल रही है। टिकैतनगर के थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि सीओ की जांच के बाद उमाकांत पांडेय व अर्जुन शर्मा के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

आम आदमी पार्टी गुजरात में बिगाड़ेगी भाजपा का खेल

» भाजपा भी अपनी सियासी रणनीति को अंजाम देने में जुटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात में 2022 के विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां चरम पर हैं। एक तरफ भाजपा यहां सत्ता बचाने में जुटी है तो आम आदमी पार्टी उसका खेल बिगाड़ने की तैयारी में है। इन सबके बीच राहुल गांधी की गैरमौजूदगी हैरान करने वाली है। खासतौर पर 2017 के चुनावी नतीजों को देखते हुए, जिसमें कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत ही बढ़िया रहा था। हालांकि इस बार भाजपा के लिए बड़ी चुनौती आम आदमी पार्टी भी है।

भाजपा भी इसी हिसाब से अपनी सियासी रणनीति को अंजाम देने में जुटी है। आम आदमी पार्टी गुजरात में अपने लोक-लुभावने वादों के दम पर जनता को रिझाने में जुटी है। अपनी दस गारंटियों के दम पर वह यहां सत्ता तक पहुंचने का मंसूबा बनाए हुए है। हालांकि, पीएम मोदी पहले ही इसे 'रेवड़ी' कहकर खारिज कर चुके हैं, फिर भी भाजपा आप को हल्के में नहीं ले रही। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक एक पॉलिटिकल ऑब्जर्वर ने बताया कि गुजरात में आप का आना क्यों महत्वपूर्ण है। इसके मुताबिक आम आदमी पार्टी यहां बिल्कुल नए आइडिया की तरह आई है। यह देखते हुए कि आप के एक तिहाई वोटर 40 साल से कम उम्र वाले हैं और वह बदलाव पसंद करने वाले हैं, उसके लिए गुजरात में संभावनाएं बढ़ जाती हैं। हालांकि भाजपा नेताओं का मानना है कि आम आदमी पार्टी भाजपा से ज्यादा कांग्रेस को नुकसान पहुंचाएगी।

मुलायम सिंह का रचाया गया चक्रव्यूह तोड़ना आसान नहीं?

मैनपुरी में सपा मजबूत, भाजपा को जीतना अभी फिलहाल सपने जैसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद अब उनकी बहू के सामने भाजपा चक्रव्यूह को तोड़ने के प्रयास में जुटी हुई है। मुलायम ने मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से अपने गुरु को प्रत्याशी बनवाकर चक्रव्यूह की रचना की थी। गुरु उदयप्रताप को लोकसभा पहुंचाने के लिए मैनपुरी में की गई मुलायम की उस व्यूह रचना को आज तक कोई नहीं भेद पाया है। मुलायम के धुर विरोधी रहे लोगों ने शरण ली तो वह भी उनके वजूद से ही लोकसभा पहुंचे थे। दो दशक पहले मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र को मुलायम सिंह ने अपनी कर्मभूमि बनाया था। उस समय उन्होंने मैनपुरी की सुरक्षा और व्यवस्था के लिए अपने शिक्षक गुरु उदयप्रताप सिंह यादव को प्रत्याशी बनाया था।

वर्ष 1989 में मुलायम सिंह यादव ने अपने गुरु को प्रत्याशी बनाकर मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र के लिए व्यूह रचना की थी। इसे फिर कोई भी विरोधी पार्टी तोड़ नहीं पाई। वर्ष 1989 में मुलायम सिंह यादव ने जनता दल की सदस्यता ग्रहण की। मुलायम का कद जनता दल में इतना ऊंचा था कि उनके कहने पर ही मैनपुरी, इटावा और एटा में प्रत्याशियों को टिकट दी गई। मुलायम सिंह ने मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से उदय प्रताप यादव को टिकट दिलवाई थी। इस चुनाव में उन्होंने जीत भी हासिल की थी। वर्ष 1991 में मुलायम सिंह समाजवादी जनता पार्टी में शामिल हुए। इस बार फिर उन्होंने मैनपुरी से अपने गुरु उदयप्रताप को टिकट दिलवाया। उदय प्रताप ने फिर से जीत हासिल की। मुलायम सिंह यादव का मैनपुरी में वजूद देखकर उनके धुर विरोधी रहे कांग्रेस नेता बलराम सिंह यादव ने भी वर्ष 1998 में समाजवादी पार्टी ज्वॉइन कर ली। मुलायम ने बलराम को मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से 1998 और 1999 में चुनाव लड़ाया। दोनों बार बलराम सिंह लोकसभा पहुंचे। अब मुलायम नहीं हैं। उनकी बहू डिंपल यादव लोकसभा क्षेत्र से मैदान में हैं। भाजपा के लिए इस व्यूह को तोड़ पाने की इस बार भी चुनौती रहेगी। वहीं डिंपल यादव के लिए ससुर के रचे व्यूह की रक्षा करने की प्रतिष्ठा दांव पर है।

राष्ट्रपति का मजाक उड़ाने वाले मंत्री को बर्खास्त करें ममता : सिद्धार्थनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। टीएमसी नेता और ममता बनर्जी सरकार के कैबिनेट मंत्री अखिल गिरि ने देश की राष्ट्रपति द्रोपती मुर्मू का मजाक उड़ाया तो भाजपाईयों ने ममता सरकार पर निशाना साधा। योगी सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री व इलाहाबाद शहर पश्चिम के विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह ने भी ममता बनर्जी और उनके मंत्री को करारा जवाब दिया।

सिद्धार्थ नाथ ने कहा, ममता बनर्जी ने राष्ट्रपति के चुनाव में समर्थन नहीं किया तो इसका मतलब यह नहीं है कि वह अपने मंत्रियों से राष्ट्रपति का मजाक उड़ाएं। ममता बनर्जी को इसके लिए सिर्फ जनता ही नहीं बल्कि राष्ट्रपति से भी माफी मांगना होगा। साथ ही इस तरह का मजाक उड़ाने वाले मंत्री को बर्खास्त करें। ममता सरकार में मंत्री अखिल गिरि ने का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें मंत्री मजाकिया लहजे में दिख रहे हैं। उसमें उन्होंने राष्ट्रपति का मजाक उड़ाते हुए कहा था कि हमारे देश की राष्ट्रपति देखने में कैसे दिखती हैं? हंसते हुए वह इस तरह की भाषणबाजी कर रहे थे। वहां मौजूद लोग भी हंसते रहे। यह वीडियो सोशल मीडिया पर बहुत तेजी से वायरल हो रहा है।

आरक्षण के इंतजार में बढ़ी मुश्किलें, संभावित प्रत्याशी लगा रहे कार्यालयों के चक्कर

» लखनऊ में पार्टी मुख्यालय से लेकर मंत्रालय तक के चक्कर लगा रहे दावेदार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निकाय चुनाव के आरक्षण के इंतजार में महापौर से लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष पद के दावेदारों के साथ राजनीतिक दलों दिक्कतें बढ़ती जा रही है। आरक्षण निर्धारित होने से पहले ही सभी नगर निगमों में महापौर और प्रमुख नगर पालिका परिषदों में अध्यक्ष पद के दावेदारों की लंबी सूची बन गई है। इससे एक ओर जहां दावेदारों के बीच राजनीतिक खींचतान बढ़ रही है। वहीं आरक्षण निर्धारण और अधिकृत प्रत्याशी घोषित होने के बाद राजनीतिक दलों के सामने असंतोष को थामने की बड़ी चुनौती होगी।

प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दोबारा भाजपा सरकार बनने के बाद निकाय चुनाव को लेकर दावेदारों ने करीब छह महीने पहले ही तैयारी शुरू कर दी थी। खासतौर पर विधायक का टिकट मिलने से वंचित रहे नेता नगर निगम में महापौर और नगर पालिका परिषदों में अध्यक्ष का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के लिए आरक्षित सीटों पर उसी वर्ग के प्रत्याशी उतारे जाने हैं। लिहाजा टिकट की दावेदारी को लेकर सबसे ज्यादा संघर्ष सामान्य वर्ग की सीटों के लिए है। पिछड़े वर्ग के वोट बैंक को साधे रखने के लिए भाजपा सहित सभी राजनीतिक दल सामान्य की सीट पर भी पिछड़े वर्ग के उम्मीदवार को प्रत्याशी बनाएंगे। ऐसे में सामान्य वर्ग के दावेदारों की दिक्कतें भी बढ़ी हुई है।

पार्टी मुख्यालय से मंत्रालय तक चक्कर लगा रहे दावेदार

नगर निगम के वर्तमान महापौर और नगर पालिका परिषद के मौजूदा अध्यक्षों के साथ आगामी चुनाव में इन पदों पर टिकट के दावेदार आरक्षण के लिए पार्टी मुख्यालय से लेकर नगर विकास मंत्रालय तक चक्कर लगा रहे है। दावेदार पार्टी में चुनाव प्रबंधन से जुड़े पदाधिकारियों को अपने अपने हिसाब से आरक्षण निर्धारण को लेकर संतुष्ट करने में जुटे हैं। वहीं मंत्रालय से भी संभावित आरक्षण के लिए पूछताछ कर रहे हैं।

सपा और बसपा का विकल्प चुन सकते हैं दावेदार

पार्टी सूत्रों के मुताबिक पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के सामने चुनाव में जीत के साथ असंतोष रोकने की भी बड़ी चुनौती है। नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत अध्यक्ष का टिकट नहीं मिलने से नाराज दावेदार सपा और बसपा से टिकट लेने का विकल्प चुन सकते हैं। निकाय चुनाव बेहद स्थानीय होने के कारण दावेदारों की बगावत और उनके समर्थक कार्यकर्ताओं की नाराजगी का असर चुनाव पर पड़ेगा।

दिग्गजों के अरमानों पर फिर जाएगा पानी

प्रदेश सरकार के मंत्रियों, पार्टी के सांसद और विधायकों के रिश्तेदारों के साथ पूर्व विधायक भी नगर निगम में महापौर और नगर पालिका परिषद में अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे है। 2011 की जनगणना और चक्रानुम के हिसाब से सभी दिग्गज दावेदार अपनी-अपनी सीट को खुद के हिसाब से आरक्षित होना तय मान रहे है। जानकारों का मानना है कि निकाय चुनाव के लिए आरक्षण निर्धारित होने के बाद कई दिग्गजों के अरमानों पर पानी फिर जाएगा। पार्टी के सूत्रों का कहना है कि मंत्रियों, विधायकों और सांसदों ने आरक्षण अनुकूल नहीं होने पर अपने करीबी दूसरी जाति के उम्मीदवार भी तैयार कर रखे हैं।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में सरकार करेगी खास छह जिलों की ब्रांडिंग

» लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, नोएडा व प्रयागराज बनेंगे निवेश के पंच प्राण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस)-23 में दस लाख करोड़ रुपये के निवेश लक्ष्य को पूरा करने के लिए राज्य सरकार लखनऊ, वाराणसी, नोएडा, प्रयागराज और कानपुर को अर्थव्यवस्था के पंच प्राण के रूप में विकसित करेगी। जीआईएस-23 के लिए विश्व के प्रमुख देशों में होने वाले रोड शो के दौरान सरकार ने इन शहरों की ब्रांडिंग करेगी। राज्य सरकार इन पांच जिलों को उनकी प्राचीन पहचान के साथ तकनीक से जोड़ते हुए नई दिशा देने की योजना बनाई है।

निवेश और उद्योग के वैश्विक मंच पर कानपुर को रोबोटिक्स व ड्रोन सिटी, लखनऊ को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सिटी, नोएडा को सूचना प्रौद्योगिकी व सूचना प्रौद्योगिकी जनित सेवाओं (आईटी व आईटीईएस) सिटी और वाराणसी व प्रयागराज को इंजीनियरिंग अनुसंधान व विकास (ईआरएंडडी) सिटी के रूप में विकसित करने की योजना है। मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्रा ने इनसे संबंधित प्रस्तुतीकरण देखने के बाद योजना को लागू करने की मंजूरी दी है।

नोएडा बनेगा आईटी व आईटीईएस सिटी का वैश्विक हब

नोएडा में वर्तमान में आईटी व आईटीईएस सेक्टर की कंपनियों की 135 इकाइयां है। सरकार ने नोएडा को आईटी व आईटीईएस सिटी के तौर पर विकसित करने के लिए जीआईएस के माध्यम से जेनपैक्ट लि., एजिस लि., ओरेकल कॉर्पोरेशन और एप्पल जैसी बड़ी कंपनियों को निवेश करने के लिए आकर्षित करेगी। आईटी एवं आईटीईएस में निवेश के लक्ष्य को बढ़ाकर 74 बिलियन अमेरिकी डॉलर किया गया है।

रोबोटिक्स एवं ड्रोन सिटी कानपुर

आईआईटी कानपुर में मौजूद सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को देखते हुए इस शहर को रोबोटिक्स व ड्रोन सिटी के रूप विकसित किया जाएगा। जर्मनी की केआईओएन समूह, जापान की सिकों एप्सों. भारत की जेन टेक, पारस डिफेंस, बीईएल, डीसीएम श्रीराम और रतन इंडिया इंटरप्राइजेज सहित अन्य कंपनियों को कानपुर में निवेश के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

लखनऊ को बनाएंगे एआई सिटी

लखनऊ को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई सिटी) सिटी के रूप में विकसित करने की योजना है। टीयर-2 शहरों में लखनऊ का इन्फ्रास्ट्रक्चर काफी अच्छा है। लिहाजा शहर में एआई पार्क विकसित किया जाएगा। जीआईएस में आने के लिए इंटेल, बॉश और केल्टन टेक जैसी कई कंपनियों को सरकार निमंत्रण भेज रही है।

वाराणसी और प्रयागराज को बनाएंगे ईआर एंड डी सिटी

आईआईटी बीएचयू, एमएनआईटी व ट्रिपल आईटी प्रयागराज से हर साल सैकड़ों छात्र ग्रेजुएट होते हैं। वाराणसी व प्रयागराज जिले को इंजीनियरिंग रिसर्च एंड डेवलेपमेंट सिटी के रूप में विकसित करने के लिए वहां बड़े संस्थान स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए सरकार एल एंड टी और टाटा एलेक्सी सहित कई बड़ी कंपनियों को निवेश के लिए आमंत्रित कर रही है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

खून की कमी की समस्या चिंताजनक

"खून की कमी के रुझान पांच साल से कम आयु के बच्चों, 15 से 49 साल के आयु वर्ग की महिलाओं तथा 15 से 19 साल की लड़कियों में बढ़ते हुए पाये गये हैं। मेघालय के अलावा पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में बच्चों में खून की कमी के मामले बढ़े हैं। यह असम में 68.4, मिजोरम में 46.4, मणिपुर में 42.8 और त्रिपुरा में 64.3 प्रतिशत है। खून की कमी से ग्रस्त महिलाओं की राष्ट्रीय दर 57 प्रतिशत है, जबकि असम में यह 65.9 प्रतिशत है।

भारत में कुपोषण चिंता का विषय है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि बाल विवाह में ठहराव है, लेकिन किशोर आयु में गर्भधारण बढ़ा है। पिछले सर्वे की तुलना में इस बार त्रिपुरा और असम में राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक बाल विवाह और कम आयु में गर्भधारण के मामले सामने आये हैं। मेघालय में पांच साल से कम आयु के बच्चों के विकास में अवरोध की दर 46.5 है, जो पूर्वोत्तर और देश में सर्वाधिक है। इस मामले में त्रिपुरा की स्थिति भी चिंताजनक है। मणिपुर, सिक्किम और असम में भी यह दर बहुत अधिक है। कुपोषण के साथ-साथ पूर्वोत्तर में पांच साल से कम आयु के बच्चों में अधिक वजन की समस्या भी चिह्नित की गयी है। मेघालय के अलावा क्षेत्र के सात राज्यों में अधिक वजन की समस्या में वृद्धि के रुझान पाये गये हैं। सिक्किम में कम वजन के बच्चों की संख्या में तीन प्रतिशत से अधिक की कमी हुई है, लेकिन अधिक वजन वाले बच्चों की संख्या में एक प्रतिशत की वृद्धि हुई है। स्त्रियों के पोषण को देखें, तो एक ओर दुबली महिलाओं की संख्या 2015-16 के 22.9 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 18.3 प्रतिशत हुई है, लेकिन मोटापा का स्तर 20 से बढ़कर 24 प्रतिशत हो गया है। साथ ही, 15 से 45 साल के आयु वर्ग में खून की कमी से ग्रस्त महिलाओं की संख्या 53 से 57 प्रतिशत हो गयी है। खून की कमी के रुझान पांच साल से कम आयु के बच्चों, 15 से 49 साल के आयु वर्ग की महिलाओं तथा 15 से 19 साल की लड़कियों में बढ़ते हुए पाये गये हैं। मेघालय के अलावा पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में बच्चों में खून की कमी के मामले बढ़े हैं। यह असम में 68.4, मिजोरम में 46.4, मणिपुर में 42.8 और त्रिपुरा में 64.3 प्रतिशत है। खून की कमी से ग्रस्त महिलाओं की राष्ट्रीय दर 57 प्रतिशत है, जबकि असम में यह 65.9 प्रतिशत है। असम और त्रिपुरा में किशोर लड़कियों में भी यह समस्या बढ़ी है। यदि खून की कमी से ग्रस्त किशोर महिला गर्भधारण करती है, तो शिशु को जन्म देते समय उसकी मौत होने, शिशु का वजन कम होने तथा उसमें भी खून की कमी होने जैसे खतरे बहुत बढ़ जाते हैं। राष्ट्रीय कुपोषण सर्वे के अनुसार असम में 40 फीसदी किशोर लड़कियों में खून की कमी की समस्या है। लगभग 25 प्रतिशत किशोरियों को मिड-डे मील, साल में दो बार स्वास्थ्य जांच, आयरन एवं फोलिक एसिड की साप्ताहिक खुराक जैसी सुविधाएं नहीं मिलती हैं। आठ में चार राज्यों- असम, मणिपुर, मेघालय और नागालैंड- में ही गर्भवती महिलाओं द्वारा ऐसे परामर्श लेने में वृद्धि देखी गयी है। मणिपुर में यह सबसे अधिक है, जहां इसकी दर 79.4 प्रतिशत है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

फसलों पर उत्पादक बहस की जरूरत

योगेश साहू

आनुवंशिक रूप से परिष्कृत (जीएम) सरसों की किस्म को पर्यावरणीय मंजूरी मिलना वैज्ञानिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए जश्न का अवसर हो सकता है। आखिर यह पहला जीएम खाद्य है, जिसे पर्यावरण परीक्षण की मंजूरी मिली है। कहा गया है कि इससे खाद्य तेलों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। भले ही ये दावे सच न हों, लेकिन कृषि वैज्ञानिकों का एक प्रमुख वर्ग और जैव प्रौद्योगिकी उद्योग निश्चित रूप से जानता है कि यह कम से कम देश में अन्य जीएम खाद्य पदार्थों के लिए दरवाजा खोल देगा। तथ्य यह है कि भारत 1.15 लाख करोड़ रुपये की लागत से खाद्य तेल की अपनी मांग का 55 से 60 प्रतिशत आयात करता है, जो निश्चित रूप से चिंताजनक है। तत्काल आवश्यकता आयात को कम करने की है और यह तभी हो सकता है जब घरेलू उत्पादन बढ़े। यह देखते हुए, कि देश में नौ खाद्य तेल फसलें उगाई जाती हैं, इस भारी कमी को पूरा करने के लिए हमें इन सभी फसलों के उत्पादन को बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। लेकिन यह समझ में नहीं आता है कि कम उपज वाली जीएम सरसों की किस्म सरसों का उत्पादन कैसे बढ़ा सकती है? जीएम फसलों से जुड़े सभी मानव स्वास्थ्य और पर्यावरणीय जोखिमों को देखते हुए और यह जानते हुए कि जीएम सरसों किस्म की उत्पादकता कम है, इसे वैज्ञानिक कूड़ेदान तक ही सीमित रखा जाना चाहिए था। वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय चाहे कितना भी जोर दें, ये दावे वास्तव में निराधार और वैज्ञानिक रूप से अमान्य हैं। यह सच है कि देश में सरसों की औसत उत्पादकता 2,000 किलोग्राम/हेक्टेयर के वैश्विक औसत के मुकाबले 1,260 किलोग्राम/ हेक्टेयर है, और निश्चित रूप से घरेलू उत्पादकता के साथ-साथ उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता है। पर शायद जीएम सरसों को पर्यावरणीय मंजूरी देने वाला मंत्रालय यह भूल गया है कि प्रो. एमएस स्वामीनाथन ने क्या कहा था। जीएम का विकल्प सबसे अंत में आजमाना चाहिए, जब अन्य सभी उपलब्ध विकल्प खत्म हो जाएं। जीएम सरसों की किस्म-डीएमएच 11 से खाद्य तेल उत्पादन बढ़ाना, जिसकी उत्पादकता सरसों की पांच उपलब्ध किस्मों की तुलना में कम है, एक वैज्ञानिक चमत्कार ही होगा।

जीएम सरसों की उत्पादकता की तुलना अपेक्षाकृत खराब उपज देने वाली वरुणा किस्म से करके यह दावा करना कि यह 28 फीसदी अधिक उपज है, वास्तव में जीएम किस्म की कम उपज को छिपाने का चतुर तरीका है। किसानों के पास पहले से उपलब्ध पांच उच्च उपज देने वाली किस्मों में से (जो सभी गैर-जीएम किस्में हैं) तीन उसी डीएमएच शृंखला

से हैं। आनुवंशिक रूप से परिष्कृत डीएमएच-11 किस्म की 2,626 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की उपज क्षमता के मुकाबले, पहले से उपलब्ध डीएमएच-4 किस्म की उपज क्षमता 3,012 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है, जिसका अर्थ है कि यह जीएम सरसों किस्म की तुलना में 14.7 प्रतिशत अधिक उपज देती है। जीएम सरसों किस्म की उत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए सरसों की इस किस्म का उपयोग क्यों नहीं किया गया, यह स्पष्ट है। वैज्ञानिकों का मानना है कि जीएम सरसों कम से कम वैज्ञानिकों को और अधिक संकर किस्म पैदा करने के लिए एक उपकरण उपलब्ध कराएगी। हालांकि तथ्य यह है कि डीएमएच शृंखला का अर्थ है-धारा सरसों का संकर किस्म, और हमारे पास पहले से ही गैर-जीएम प्रौद्योगिकी के साथ उच्च उपज वाले संकर किस्म हैं। हमें यह आभास देने की कोशिश नहीं करनी चाहिए कि पारंपरिक किस्मों के साथ सरसों के संकर किस्म का उत्पादन नहीं किया गया है। भारत में सरसों की खेती 80 से 90 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में होती है। हैरानी की बात यह है कि बिहार और राजस्थान जैसे राज्यों में पैदावार पहले से ही अधिक है, जहां सरसों की गहन खेती प्रणाली का पालन किया गया। बिहार में सरसों की औसत उपज 3,458 किलोग्राम/ हेक्टेयर है और राजस्थान में उससे थोड़ा ज्यादा 3,560 किलोग्राम/ हेक्टेयर है, जो स्वीकृत जीएम सरसों की किस्म से काफी अधिक है।

मध्यप्रदेश में, कृषि विभाग द्वारा एसएमआई उत्पादन प्रणाली लागू करने के बाद प्राप्त औसत पैदावार 4,693 किलोग्राम/हेक्टेयर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई है। आश्चर्य है कि कृषि वैज्ञानिक एसएमआई खेती के तहत सरसों की खेती को बढ़ावा और विस्तार देने का प्रयास क्यों नहीं कर रहे हैं, खासकर यह देखते हुए कि मध्य प्रदेश में उपज जीएम किस्म की तुलना में लगभग दोगुनी है। एक ऐसे देश में, जहां सरसों के लिए एक विशाल आनुवंशिक विविधता मौजूद है, भारत को इसके बजाय भूली हुई पीली क्रांति से ऊपर उठने की जरूरत है। वर्ष 1985-86 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने आयात पर निर्भरता घटाने के उद्देश्य से खाद्य तेल उत्पादन बढ़ाने के लिए तिलहन प्रौद्योगिकी मिशन की शुरुआत की थी। यह देखते हुए, कि विश्व व्यापार संगठन के नियमों के तहत, भारत के पास आयात शुल्क को अधिकतम 300 प्रतिशत रखने का विकल्प था, भारत ने किसानों को प्रौद्योगिकी, आकर्षक मूल्य प्रदान करके एक सक्षम वातावरण बनाया और प्रसंस्करण उद्योग के विकास को भी प्रोत्साहित किया।

ज्ञान, कौशल एवं आत्मनिर्भरता का संकल्प

प्रो. नीलिमा गुप्ता

भारत की मौजूदा उच्च शिक्षा प्रणाली से प्रति वर्ष लगभग 3.7 करोड़ विद्यार्थी डिग्री लेकर देश के सामाजिक-आर्थिक विकास के सोपानक्रम से स्वयं को जोड़ने का संकल्प लेते हैं, लेकिन सवाल है कि क्या हमारे उपाधि धारक अकादमिक रूप से समृद्ध होने के साथ-साथ समाज के योग्य नागरिक बनने और समकालीन युग की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हैं? निश्चित रूप से हमारी शिक्षा-प्रणाली उस स्तर की होनी चाहिए जिससे राष्ट्र के साथ-साथ समाज का भी चौतरफा व समुचित विकास हो सके। शिक्षा का लक्ष्य अन्ततः एक ऐसे उन्मुक्त और आत्मविश्वास से भरे व्यक्ति का निर्माण करना होता है जो सभी विपरीत परिस्थितियों व चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके। ऐसे में निःसन्देह किसी राष्ट्र की शिक्षा की गुणवत्ता ही उसके राष्ट्रीय विकास के स्तर का आइना है। भारत जैसे बहुभाषी राष्ट्र में उच्च-शिक्षा के क्षेत्र के विकास-विस्तार में हमारे विश्वविद्यालयों की अहम भूमिका है। भारतीय उच्च शिक्षा-प्रणाली में केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राज्य विश्वविद्यालय, डीम्ड विश्वविद्यालय और निजी विश्वविद्यालय शामिल हैं।

पिछले कुछ वर्षों में, खासकर स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद, उच्च शिक्षा क्षेत्र में विश्वविद्यालयों, विश्वविद्यालय स्तर के संस्थानों, कॉलेजों आदि की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालयों की संख्या 1950 में 20 थी, जो अब 54 केंद्रीय, 455 राज्य, 126 डीम्ड और 421 निजी विश्वविद्यालयों के साथ लगभग 1000 को पार कर गई है। भारत की उच्च शिक्षा-प्रणाली के पास वर्तमान में विकास, गुणवत्ता और समान पहुंच जैसे कई उद्देश्यों को प्राप्त करने का दबाव है। संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बाद, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है जहां सबसे ज्यादा सार्वजनिक वित्तपोषित उच्च शिक्षा-प्रणाली की संस्थाएं हैं। अनुमान लगया जा रहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के कारण अधिक भौगोलिक गतिशीलता, बढ़ती हुई स्पर्द्धाओं, अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण व नए कौशल की मांग के चलते भारतीय शिक्षा-प्रणाली अधिक आकर्षक बनेगी और तद्नुसार भारत में पंजीयन व नामांकन की मांग भी दिन-ब-दिन बढ़ती जाएगी। इस संदर्भ में नवीनतम शिक्षण-सामग्री एवं समृद्ध शिक्षण संसाधनों ने नवीनतम अवधारणाओं को बेहतर तरीके से सीखने व समझने के साथ-साथ हम सभी के लिए अद्वितीय शिक्षण अनुभव से गुजरने का अनोखा अवसर प्रदान किया है। प्रौद्योगिकी समर्थ शिक्षा ने शैक्षणिक संस्थानों को छात्र-छात्राओं के लिए नवीनतम सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ सीखने की नई योजना बनाने, उन्हें क्रियान्वित करने, उनका समुचित मूल्यांकन करने व निगरानी करने का मानो एक नया द्वार खोल दिया है। परिणामस्वरूप मौजूदा दौर के समुन्नत शिक्षण संस्थानों से उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं की रोजगार क्षमता बहुत बढ़ गई है। शिक्षा ही सामाजिक न्याय तथा समानता हासिल करने का एकमात्र व अचूक साधन है। समावेशी और न्यायसंगत शिक्षा, जो अपने आप में एक परमावश्यक लक्ष्य है, एक समावेशी और न्यायसंगत समाज के लिए भी बहुत ही महत्त्वपूर्ण है, जहां प्रत्येक नागरिक को सपने देखने, फलने-फूलने और राष्ट्र के लिए अपना बहुमूल्य योगदान देने का खास अवसर मिले।

बता दें कि भारत सरकार द्वारा लागू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 हमारे उच्च शिक्षा के हितधारकों के लिए शिक्षा का नया मार्ग प्रशस्त करने वाली नीति है। सच कहा जाए तो यह एक नए युग की शुरुआत ही है। इसका मुख्य उद्देश्य भारत को एक शिक्षा केंद्र के रूप में संस्थापित करना है। वास्तव में, एक सुदृ? ज्ञानात्मक समाज बनाने के मद्देनजर, जिसमें वास्तव में मानव सम्पदा, भौतिक संसाधनों और पारम्परिक व स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों का अनोखा सम्मिश्रण मौजूद है, एक कारगर पहल है। इस महत्वपूर्ण नीति का उद्देश्य है- मनुष्य की समस्त क्षमताओं को विकसित करना। एक समग्र और बहु-विषयक शिक्षा का उद्देश्य सदैव मानव की सभी क्षमताओं, बौद्धिक, सौन्दर्यात्मक, सामाजिक, शारीरिक, भावनात्मक व नैतिकता आदि गुणों को एकीकृत तरीके से विकसित करना है। भारतवर्ष एक युवा राष्ट्र है जहां की युवा आबादी उत्कृष्टता की ओर सदा उन्मुख रही है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि भारत सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर में, पश्चिम के अधिकांश और जापान व चीन जैसे देशों की तुलना में, अतिरिक्त 2 प्रतिशत अधिक है। यह महत्त्वपूर्ण जनसांख्यिकीय क्षमता निश्चित ही भारत को एक अभूतपूर्व बढ़त प्रदान करती है। 2030 तक भारत के दुनिया का सबसे युवा राष्ट्र होने की संभावना है जिसमें लगभग 14 करोड़ लोग उच्च शिक्षा संस्थान के पोर्टल में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं। गौरतलब है कि दुनिया में हर चार स्नातकों में से एक भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली का उत्पाद होगा। नवीनतम ज्ञानात्मक कौशल के विकास पर ध्यान केन्द्रित करते हुए इस उच्च जनसांख्यिकीय लाभांश क्षमता का दोहन करने की तत्काल आवश्यकता है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की हालिया रिपोर्ट के अनुसार कम से कम 54 प्रतिशत कर्मचारियों को अपने कौशल को परिवर्धित करने और नए सिरे से सीखने की जरूरत पड़ेगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति जिसका मुख्य उद्देश्य मानव की सभी क्षमताओं (अकादमिक उत्कृष्टता, बुद्धिमत्ता, आध्यात्मिक, सामाजिक, भावनात्मक, नैतिक, पेशेवर, तकनीकी) को एक एकीकृत तरीके से विकसित करना है। एक छात्र जो शिक्षित एवं उपाधि धारक है, उसे एक सभ्य समाज का सच्चा नागरिक होना भी आवश्यक है।

मेंटल और फिजिकल हेल्थ के लिए बेहद जरूरी है फैमिली टाइम

बिजी लाइफ में अक्सर हम परिवार की तुलना में करियर को अधिक महत्व देने लगते हैं। व्यस्तताओं के चलते हमें अपनों के साथ क्वालिटी टाइम गुजारने का भी समय नहीं निकाल पाते। ऐसे में हम लगातार तनाव की चपेट में आने लगते हैं और इसका असर हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ने लगता है। दरअसल, जब हम अपने प्रियजनों के साथ समय गुजारते हैं तो इससे तनाव कम करने में काफी मदद मिलती है। यही नहीं, हमारी उत्पादकता में भी इजाफा होता है और हम बुरे वक्त में भी बेहतर महसूस करते हैं, इसलिए क्वालिटी लाइफ जीने के लिए ज़रूरी है कि हम परिवार के साथ अच्छा वक्त गुजारें। तो आइए जानते हैं कि परिवार के साथ रहने के क्या क्या फायदे हो सकते हैं।

परिवार के साथ समय गुजारने के फायदे

बनता है बॉन्डिंग

जब आप परिवार के साथ क्वालिटी टाइम गुजारते हैं तो इससे रिश्तों के बीच बॉन्डिंग मजबूत होती है और आपका एक-दूसरे पर भरोसा बढ़ता है। अच्छी बॉन्डिंग के लिए आप साथ में कुछ इनडोर गेम, एक साथ रात का खाना पकाना आदि कर सकते हैं।

तनाव होता है कम

परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताना आपको ऊर्जावान महसूस कराता है और ऑफिस के तनाव को कम करने में भी मदद मिलती है। इस तरह आप बुरे वक्त में भी खुद को स्ट्रेस से उबारने और बेहतर प्रदर्शन करने में सफल होते हैं।

बच्चों की बेहतर परवरिश

जब घर में सभी सदस्य साथ वक्त गुजारते हैं तो इससे बच्चों को परिवार के सदस्यों के साथ बेहतर व्यवहार करना आने लगता है और उनकी अपब्रिंगिंग अच्छी होती है। टीनएजर में बिहेवियर प्रॉब्लम की समस्या नहीं होती है।

मेंटल हेल्थ में सुधार

जब आप परिवार के साथ होते है तो बेहतर तरीके से अपनी एंग्जायटी और तनाव को अपनों के बीच शेयर कर पाते हैं। इससे मन हल्का होता है और आप बेहतर तरीके से सिचुएशन को हैंडल कर पाते हैं।

बच्चों की पढ़ाई में फायदा

जब बच्चे हैप्पी फैमिली में रहते हैं तो बच्चों की एकाग्रता अच्छी होती है और वे स्कूल एकेडमिक्स में अच्छा परफॉर्म कर पाते हैं। उनमें प्रॉब्लम सॉल्व करने का स्किल भी तेजी से बढ़ता है।

जिंदगी भर रहती हैं अच्छी यादें साथ

जब आप परिवार और बच्चों के साथ अच्छा खुशहाल जीवन बिताते हैं तो बच्चों के मन में जीवन भर के लिए अच्छी यादें बस जाती हैं। बाद में जब भी वे मिलते हैं तो ये यादें हंसने, मजाक करने या खुश होने की वजह बन जाती हैं।

हंसना मना है

टिल्लू अपनी बीमारी लेकर डॉक्टर के पास गया,डॉक्टर: आपकी बीमारी की सही वजह मेरी समझ में नहीं आ रही, हो सकता है दारू पीने की वजह से ऐसा हो रहा हो, टिल्लू: कोई बात नहीं डॉक्टर साहब,जब आपकी उतर जाएगी तो मैं दोबारा आ जाऊंगा।

पिता ने पूछा: बेटा तू फेल कैसे हो गया? बेटा: पापा पेपर में प्रश्न ही ऐसे आए थे जो मुझे पता नहीं थे। पिता: अच्छा तो फिर तुमने उत्तर कैसे लिखे? बेटा: मैंने भी उत्तर ऐसे लिखे, जो मास्टर को पता नहीं थे।

पत्रकार: 80 साल की उम्र में भी आप बीवी को डार्लिंग कहते हैं, इस प्यार का राज क्या है? बूढ़ा व्यक्ति: बेटे 20 साल पहले इनका नाम भूल गया था, पूछने की हिम्मत नहीं हुई, इसलिए डार्लिंग कहता हूं...

सोनू अपने दोस्त मिंटू को ज्ञान बांट रहा था अगर परीक्षा में पेपर बहुत कठिन हो तो...आंखें बंद करो, गहरी सांस लो और जोर से कहो- ये सब्जेक्ट बहुत मजेदार है इसलिए अगले साल फिर पढ़ेंगे।

टीचर- मिंटू तुम कॉलेज क्यों आते हो? मिंकी- सर जी, विद्या के लिए.टीचर- तो क्लास में सो क्यों रहे हो? मिंकी- सर, आज विद्या नहीं आई इसलिए.

कहानी: ऊंची नहीं फेंकता ऊंट

एक ऊंट था। उसकी पीठ कुछ ज्यादा ही ऊंची थी। यही कारण था कि वह ऊंची-ऊंची फेंकता। एक दिन वह टहलने निकला। नदी किनारे चूहा, गिलहरी, बंदर और खरगोश किसी बात पर हंस रहे थे। ऊंट भी जोर-जोर से हंसने लगा। खरगोश ने पूछा, 'ऊंट भाई, तुम क्यों हंसे?' ऊंट बोला, 'तुम्हें देखकर हंस रहा हूं। मेरे सामने तुम सब कुछ नहीं।' चूहे ने पूछा, 'मतलब क्या है तुम्हारा?' ऊंट गरदन झटकते हुए बोला, 'मतलब यह है कि मेरा एक दिन का राशन-पानी तुम सबके लिए महीने भर का होता है। जहां तक तुम देख सकते हो, वहां तक तो मेरी गरदन ही चली जाती है। मैं रेगिस्तान का जहाज हूं। मैं वहां आसानी से दौड़ सकता हूं, बिना रुके और बिना थके। तुम वहां चार कदम चलोगे, तो हांफने लगोगे। समझे!' यह सुनकर गिलहरी हंसने लगी। चूहा, खरगोश और बंदर भी हंस पड़े। ऊंट पैर पटकते हुए बोला, 'तुम क्यों हंसे?' गिलहरी हंसते हुए ही बोली, 'ऊंट भाई, माना कि तुम बहुत बड़े हो। लेकिन हर बड़ा हर तरह का छोटा सा काम भी कर सके, यह जरूरी नहीं।'ऊंट बोला, 'मैं बच्चों को मुंह लगाना ठीक नहीं समझता।' बंदर भी हंसते हुए बोला, 'ऊंट भाई, नाराज क्यों होते हो?'ऊंट ने बंदर से कहा, 'ये सब पिद्दी भर के हैं। इनसे मैं क्या बात करूं! तुम सामने आओ। तुम ही बताओ कि ऐसा कौन सा काम है, जो तुम कर सकते हो और मैं नहीं? हां, पेड़ पर चढ़ने के लिए मत कहना।' गिलहरी उछलकर बंदर के कान के पास जा पहुंची। दूसरे ही पल बंदर दौड़कर कहीं चला गया। थोड़ी देर बाद वह पीठ पर एक तरबूज ला रहा था। उसने तरबूज ऊंट के सामने रख दिया। बंदर ऊंट से बोला, 'यह लो, तुम्हें मेरी तरह तरबूज को अपनी पीठ पर लादकर लाना है। उठाओ इसे और बीस कदम ही सही, जरा चलकर तो दिखाओ। ध्यान रहे कि तरबूज गिरना नहीं चाहिए।' ऊंट बेचारा सकपका गया। भला वह पहाड़ जैसी तिकोनी पीठ पर गोल-मटोल तरबूज कैसे रख पाता! तरबूज को पीठ पर रखकर चलना तो और भी मुश्किल काम था। ऊंट खिसियाता हुआ वहां से खिसक लिया। तभी से ऊंट अब ऊंची-ऊंची नहीं फेंकता।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन ऐसे काम करने के लिए बेहतरीन है, जिन्हें करके आप खुद के बारे में अच्छा महसूस करते हैं। वे निवेश-योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं।

वृषभ

आज का दिन आपके लिए बेहतरीन पल लेकर आयेगा। व्यापारी वर्ग को आज धन लाभ हो सकता है। इंजीनियर्स के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है।

मिथुन

आज कार्यक्षेत्र में शत्रुओं की बाधा बानी रहेगी, शत्रु सिर उठायेंगे। वाद-विवाद में व्यर्थ समय बीतेगा। काम के लिए मौके परिचित महिलाओं की ओर से आ सकते हैं।

कर्क

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीजों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आकस्मिक मुनाफे या सट्टेबाजी के जरिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे।

सिंह

आज आप किसी मित्र के साथ कहीं घूमने-फिरने का प्लान बना सकते हैं। आज किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करके आपको काफी अच्छा महसूस होगा।

कन्या

कानून से संबंधित मामलों में फैसला आपके पक्ष में होगा। इनकम के क्षेत्र में लगातार वृद्धि होगी आपको अचानक भारी धन लाभ होने के योग नजर आ रहे हैं।

तुला

आपकी समस्याएँ आज आपके मानसिक सुख को नष्ट कर सकती हैं। आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। पारिवारिक तनावों की वजह से मानसिक दबाव में इजाफा होगी

वृश्चिक

आज का दिन सामान्य रहेगा। ऑफिस के काम को पूरा करने में थोड़ी अड़चने आ सकती है, किसी सहकर्मी की मदद से परेशानियां दूर हो जाएंगी। आज पार्टी का आयोजन हो सकता है।

धनु

आज आपको नौकरी के क्षेत्र में भी आपको फायदा हो सकता है। आपके द्वारा किए गए निवेश में आपको लाभ प्राप्त होगा। यह मंगलवार आपके लिए आनंद दायक रहेगा।

मकर

योग और ध्यान आपको बेडौल होने से बचाने और मानसिक तौर पर सेहतमंद रखने में मददगार साबित होंगे। अगर ज्यादा खुले दिल से पैसे खर्च किए तो आपको आर्थिक समस्या हो सकती है।

कुम्भ

आज किस्मत आपका भरपूर साथ देगी। इस राशि के बिजनेसमैन के लिए आज का दिन अधिक फायदा देने वाला है। नया व्यापार शुरू करने की सोच रहे हैं, तो अपने जीवनसाथी की राय लें।

मीन

आज आपका व्यवहार लोगों पर काफी गहरा असर छोड़ सकता है। वैवाहिक जीवन में खुशियां बनी रहेगी। अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को खुशनुमा बना देगा।

बॉलीवुड | मन की बात

यंग दिखने के लिए कभी नहीं कराई सर्जरी : राधिका आप्टे

राधिका आप्टे हमेशा से रिच कंटेंट फिल्मों और प्रोजेक्ट्स को करती आई हैं। एक्ट्रेस अपनी बेबाक राय देने के लिए भी काफी फेमस हैं। हाल ही में वे अपनी एक स्टेटमेंट की वजह से वह सुर्खियों में छा गई थीं। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि उन्हें अपने रोल गंवाने पड़े हैं क्योंकि वे यंग एक्ट्रेसेस को दे दिए गए थे। अपनी इसी स्टेटमेंट को क्लियर करते हुए राधिका आप्टे ने एक बार फि कहा कि बॉलीवुड में उम्र एक फैक्टर है। हालांकि एक्ट्रेस ने ये भी क्लियर किया कि उन्होंने कभी कॉस्मेटिक सर्जरी नहीं कराई है। एक इंटरव्यू के दौरान राधिका आप्टे ने कहा कि वह यंग दिखने के लिए सर्जरी के जाल में कभी नहीं फंसी। राधिका ने ये भी क्लियर किया कि उनके शब्दों को सनसनीखेज बना दिया गया है। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि अब इंडस्ट्री में पुरुषों और महिलाओं के लिए चीजें बेहतर हो रही हैं। ये पूछे जाने पर कि क्या उन्हें कभी अपने लुक्स की वजह से रिजेक्ट किया गया, या यंग खूबसूरत एक्ट्रेस की वजह से उन्हें रिजेक्ट किया गया है तो उन्होंने चैट शो में बताया कि बॉलीवुड में उम्र एक फैक्टर है। उन्होंने कहा कि इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि लोग बड़ी कमर्शियल फिल्मों में यंग एक्ट्रेसेस को चाहते हैं। वे कहती हैं,ऐसे दिन आए हैं जहां आपको बताया गया है कि हां, आपके पास xyz नहीं है और हमें xyz की जरूरत है। आप देख सकते हैं कि लोग कितनी सर्जरी करते हैं। एक ऐसी इमेज है जिसका हम पीछा कर रहे हैं और सिर्फ इंडिया में ही नहीं, दुनिया भर में, जिसके खिलाफ बहुत सारी महिलाएं लड़ रही हैं। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में करंट सिनेरियो के बारे में बोलते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि समय के साथ चीजें बेहतर हो रही हैं क्योंकि ब्रांड सभी उम्र और साइज के मेल और फीमेल को बढ़ावा दे रहे हैं। लेकिन एक वक्त ऐसा भी था जब मैंने इस चीज से काफी स्ट्रगल किया था।

फिर साथ आए सामंथा रूथ-नागा चैतन्या

फैन्स को देंगे सरप्राइज !

पिछले कुछ दिनों से साउथ की सुपरस्टार सामंथा रूथ प्रभु हेडलाइन्स में बनी हुई हैं। जबसे एक्ट्रेस ने अपनी ऑटो-इम्यून बीमारी मायोसिटिस के बारे में फैन्स को बताया है, सभी उनके लिए चिंता कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया था कि इस बीमारी को ठीक होने में जितना समय लगता है, उससे अधिक लग रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब सामंथा ने यह पोस्ट शेयर की तो एक्स हस्बैंड नागा चैतन्या और उनके पिता नागार्जुन ने उन्हें विजिट करने का प्लान किया। हालांकि अब तक इसपर कोई जानकारी हाथ नहीं लग पाई है कि दोनों, सामंथा से मिले या नहीं। यह जरूर है कि नागा चैतन्या ने सामंथा को फोन करके उनका हालचाल जरूर पूछा है। सामंथा-नागा नजर आ सकते हैं साथ बॉलीवुड लाइफ की रिपोर्ट्स के मुताबिक, सामंथा रूथ प्रभु और नागा चैतन्या, दोनों ही तलाक के बाद से एक-दूसरे के साथ प्रोफेशनल बिहेव रखते हैं। कहा जा रहा है कि दोनों साथ में प्रोजेक्ट करते भी नजर आ सकते हैं। यानी की फैन्स एक बार फिर दोनों की जोड़ी बड़े पर्दे पर देख सकेंगे। सूत्र ने बॉलीवुड लाइफ को जानकारी देते हुए कहा, दोनों ही यह बात बखूबी जानते हैं कि दोनों की जोड़ी फैन्स के बीच कितनी हिट रही है। जिस तरह नागा चैतन्या ने सामंथा के प्रति कन्सर्न दिखाया है, उससे साफ जाहिर होता है कि आज भी तलाक के बाद दोनों आपस में बहुत अच्छे दोस्त हैं। दोनों एक ऐसी जगह पर खड़े हैं, जहां वह किसी भी तरह की एक-दूसरे से दुश्मनी नहीं रखते। दोनों ही प्रोफेशनली एक-दूसरे के साथ काम करना चाहते हैं।

बता दें कि सामंथा रूथ और नागा चैतन्या ने कुछ समय एक-दूसरे को डेट करने के बाद एक ड्रीमी सेलिब्रेशन में शादी रचाई थी। दोनों कई फिल्मों में साथ नजर आ चुके हैं। इनकी जोड़ी फैन्स के बीच भी बहुत पसंद की जाती है। ओह बेबी, मजिली और ये माया चेसावे जैसी हिट फिल्में दोनों ने दी हैं। साल 2021 अक्टूबर में दोनों ने अपनी तलाक की खबरें मीडिया में दी थीं। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैन्स को झटका देते हुए बताया था कि इन्होंने अपने-अपने रास्ते अलग कर लिए हैं।

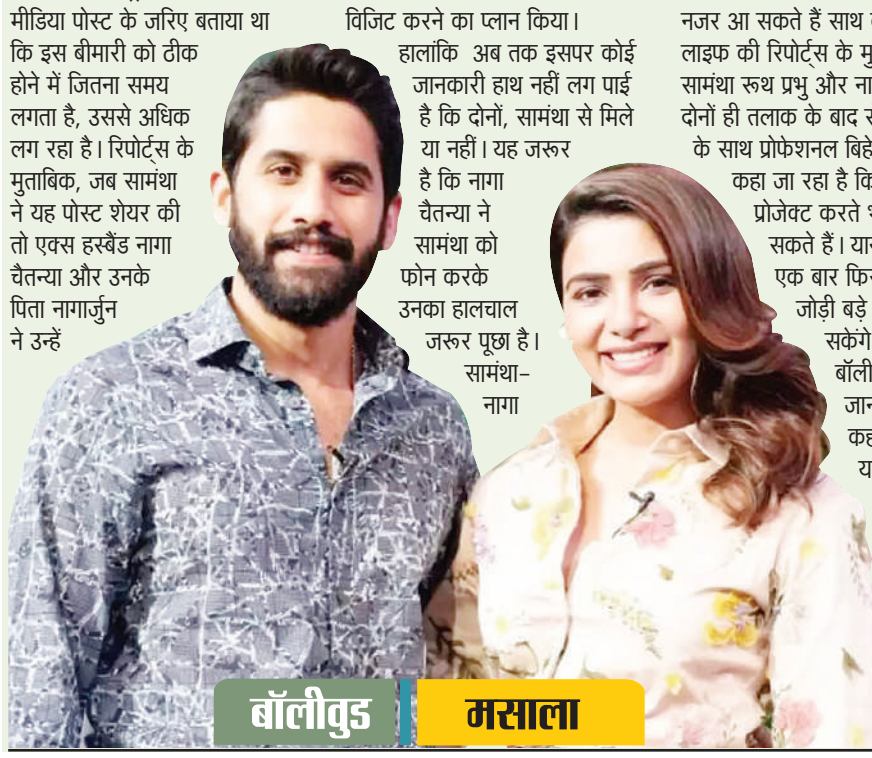

बॉलीवुड | मसाला

रणदीप हुड्डा की कैट में खुलेंगे कई राज

बॉलीवुड | गपशप

रणदीप हुड्डा की आगामी क्राइम ड्रामा सीरीज कैट शीर्षक से 9 दिसंबर को विशाल नेटफिक्स स्ट्रीमिंग पर प्रीमियर के लिए तैयार है। सीरीज, जो निर्माता और श्रोता बलविंदर सिंह जंजुआ से आती है, एक्सट्रैक्शन के बाद रणदीप के नेटफिक्स के साथ दूसरे सहयोग को चिन्हित करती है, जो 2020 में रिलीज हुई थी। रणदीप और नेटफ्लिक्स ने घोषणा करने के लिए अपने-अपने सोशल मीडिया हैंडल का सहारा लिया।

कैट गुरनाम सिंह की कहानी है, जो अपने भाई की जान बचाने की कोशिश में अपने काले अतीत का सामना करने के लिए मजबूर होता है। एक बार कैट - एक युवा लड़के के रूप में पुलिस के लिए मुखबिर होने के बाद, गुरनाम खुद को एक पुलिस मुखबिर के रूप में, भ्रष्टाचार और अपराध के अस्थिर अंडरबेली में, धोखे के जाल को खोलते हुए पाता है। बलविंदर सिंह जंजुआ द्वारा निर्मित और जेली बीन एंटरटेनमेंट के सहयोग से मूवी टनल प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, कैट 9 दिसंबर, 2022 को रिलीज होगी।

रणदीप हुड्डा के साथ, श्रृंखला में सुविंदर विक्की, हसलीन कौर, गीता अग्रवाल, दक्ष अजीत सिंह, सुखविंदर चहल, के.पी. सिंह, काव्या थापर, दानिश सूद और प्रमोद पत्थल सहित अन्य।

अजब-गजब | एक बार फिर शुरू हुई बच्चाबाजी परंपरा की चर्चा

क्या है अफगानिस्तान की बच्चा बाजी परंपरा

अफगानिस्तान की आबो-हवा बदल गई है। पिछले साल अगस्त से यहां एक बार फिर से तालिबान का राज हो गया। सत्ता संभालने के वक्त तालिबान ने वादा किया था कि वो लोगों की आजादी पहले की तरह जारी रहेगी। लेकिन एक बार वहां से बच्चों और महिलाओं के खिलाफ जुल्म की खबरें आ रही हैं। कई महिलाएं अब भी चारदीवारी में रहने को मजबूर हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने तालिबान पर अफगान महिलाओं तथा लड़कियों के मानवाधिकारों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए एक प्रस्ताव भी पारित किया है। बता दें कि एक बार फिर से वहां बच्चा बाजी परंपरा की चर्चा शुरू हो गई है। आखिर क्या है ये, आइए जानते हैं विस्तार से।।।

अफगानिस्तान में लड़कों को लड़कियों को रंग-बिरंगे कपड़े पहना कर नचाने की प्रथा है। इस प्रथा को 'बच्चाबाजी' कहा जाता है। कहा जाता है कि पार्टी में नाचने के बाद कुछ लोग इन लड़कों का यौन शोषण भी करते हैं। बच्चा बाजी की प्रथा इस क्रूरता को एक कदम और आगे ले जाती है जहां युवा लड़कों को बच्चा बरीश (दाढ़ी रहित लड़के) के रूप में भी जाना जाता है। बच्चे के शरीर को बेचने, कामुक नृत्य में लिप्त होने और

महिलाओं के रूप में पोशाक बनाने के लिए बनाया जाता है। इस दौरान कई ताकतवर पुरुष युवा लड़कों को खरीदते भी हैं। कहा जाता है कि इस प्रथा पर थोड़ा लगाम लगाने की कोशिश भी गई। ये तब हुआ जब अफगान सरदारों ने सत्ता और धन का प्रदर्शन करने के लिए एक या एक से अधिक लड़कों को खरीदना शुरू कर दिया था। लड़कों का या तो अपहरण कर लिया जाता है या उनके परिवारों से खरीदा जाता है, अक्सर उन्हें महिलाओं के रूप में तैयार किया जाता है और मेकअप पहनाया जाता है और निजी पार्टियों और शादियों में डांस करवाया जाता है। इन युवा लड़कों का स्वामित्व अविवाहित या विवाहित पुरुषों के पास होता है, जो उन्हें यौन सुख के लिए रखते हैं। द इंडिपेंडेंट की एक रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान की पश्तून संस्कृति बच्चा बाजी को एक गैर-इस्लामी या समलैंगिक कृत्य के रूप में नहीं देखती है क्योंकि पुरुष लड़के से प्यार नहीं करते हैं, लेकिन बस उन्हें यौन क्रिया के लिए रखते हैं।

बच्चा बाजी पर बहस दो साल पहले उस वक्त शुरू हुई जब एक ऐसे फेसबुक पेज का पता चला जहां युवा लड़कों के साथ दुर्व्यवहार के 100 से अधिक वीडियो थे। आम लोगों ने क्वोरा पर इसके बारे में बड़े ही दिलचस्प जवाब दिए हैं। बता दें कि क्वोरा एक सवाल-जवाब वाली वेबसाइट है, जिस पर लोग सवाल पूछ सकते हैं और उत्तर दे भी सकते हैं, एक यूजर ने लिखा है, 'अफगानिस्तान में बच्चा बाजी एक ऐसी प्रथा है, जिसमें 10 से 15 साल के लड़कों को धकेला जाता है, इन लड़कों को लड़कियों के ड्रेस में नचाया जाता है और फिर उनका यौन शोषण होता है।'

कच्ची शराब पीकर सो गये 24 हाथी, ढोल बजाकर वन विभाग ने नींद से जगाया

शराब पीना स्वास्थ्य के लिए हानीकारक है। पर लोग इस चेतावनी को गंभीरता से नहीं लेते और फिर भी शराब का सेवन कर लेते हैं। ग्रामीण इलाकों में महुआ, यानी कच्ची शराब का काफी चलन है। जिसे लोग खुद से बनाते हैं। हाल ही में ओडिशा में एक ऐसी घटना घटी जिसे जानकर आपको लगेगा कि कच्ची शराब सिर्फ इंसानों को ही नहीं, हाथियों को भी पसंद है। यहां हाथियों ने शराब पी ली जिसके बाद वो जंगल में सोते नजर आए। ओडिशा के केओनझार जिले में शिलिपाडा के काजू के जंगल हैं। यहां हाल ही में किसान देसी शराब बना रहे थे। उन्होंने मटकों में महुआ के फूलों को भिगो कर रखा थे जिसके बाद उससे शराब बनाई जा सके। जब अगले दिन सुबह के करीब 6 बजे वो जंगल में पहुंचे तो उन्होंने देखा कि सभी मटके फटे हुए थे और हाथी पानी समझकर सारा महुए का पानी पी गए। उसके बाद वो वहीं बेहोश हो गए। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार करीब 24 हाथी बेहोशी की हालत में जंगल में पड़े मिले थे जिन्हें देखकर गांववाले भी हैरान रह गए थे। पीटीआई से बात करते हुए नारिया सेठी नाम के एक गांववाले ने बताया कि जब वो सुबह जंगल में मटकों को देखने पहुंचे तो उन्हें सब फूटे मिले और हाथी सोते हुए देखे गए। उन लोगों ने हाथियों को खुद से उठाने की कोशिश की पर जब उनसे काम नहीं बन पाया तब फौरन जंगल विभाग को इसकी सूचना दी गई। जब पाटना फॉरेस्ट रेंज के अंतर्गत आने वाले इलाके में वन विभाग के कर्मी पहुंचे तो उन्होंने भी पहले हाथियों को उठाने की कोशिश की पर जब कार्य मुश्किल लगने लगा तो उन्होंने ढोल बजाकर हाथियों को उठाया। नींद से जागने के बाद वो जंगल के अंदर चले गए। इस घटना के बाद वन विभान को संशय है कि हाथी महुआ पीने से ही सोए थे या फिर यूं ही वहां आराम कर रहे थे। सारे हाथी स्वस्थ हैं और उन्हें किसी प्रकार की समस्या नहीं है।

सपा-रालोद गठबंधन पूरी ताकत के साथ खतौली में लड़ेगा चुनाव

» उपचुनाव में मदन भैया प्रत्याशी, खेकड़ा से रह चुके हैं विधायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। खतौली उप-चुनाव के लिए रालोद ने पत्ते खोल दिए हैं। गुर्जर प्रत्याशी पर दांव खेलते हुए बागपत की खेकड़ा सीट से तीन बार के पूर्व विधायक बहुचर्चित मदन भैया को मैदान में उतारने का एलान कर दिया है। इस बीच रालोद अध्यक्ष जयंत सिंह ने जिले में पीपलहेड़ा, तिसंग और मंसूरपुर गांव में जनसभाएं की। तीनों में गाजियाबाद के जावली गांव के रहने वाले पूर्व विधायक मदन भैया मंच पर नजर आए। दिनभर सियासी अटकलें लगाई जा रहीं थीं।

जनसभाओं के कुछ घंटे बाद ही रालोद के ट्विटर से पूर्व विधायक मदन भैया को उप चुनाव में प्रत्याशी बनाए जाने का एलान कर दिया गया। बता दें कि इससे पहले मदन भैया मुख्य चुनाव लोनी सीट से लड़े थे, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। रालोद जिलाध्यक्ष संदीप मलिक ने उनके प्रत्याशी बनाए जाने की पुष्टि करते हुए बताया कि टिकट की घोषणा कर दी गई है। सपा-रालोद गठबंधन अब पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगा। खतौली उप चुनाव में भाजपा को हराने का काम किया जाएगा। पूर्व विधायक मदन भैया ने कहा कि नेतृत्व ने जो भरोसा जताया है, उस पर खरे उतरने का प्रयास किया जाएगा। जनता को निराश नहीं करूंगा। पूरी तैयारी के साथ गठबंधन के प्रत्याशी के तौर पर वह चुनाव मैदान में उतरेंगे।

जो जैसा बोएगा, वैसा काटेगा : जयंत चौधरी

राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी मुजफ्फरनगर के पीपलहेड़ा पहुंचे। जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जनता सब समझ रही है। बड़बोलेपन से काम नहीं चलेगा। जो जैसा बोएगा वैसा काटेगा। 2022 चुनाव में गर्मी निकालने की बात कही गई थी। दंगे की भी याद दिलाई गई, लेकिन उसका परिणाम सब ने देखा। जयंत चौधरी ने कहा कि आज एक नए अध्याय के साथ लोग आगे बढना चाहते हैं। उन्होंने यूपी चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि जब खुद मुख्यमंत्री मुजफ्फरनगर आए थे तो उन्होंने गर्मी निकाल दूंगा जैसी भाषा बोलकर गए थे। उन्होंने सवाल उठाया कि उसका क्या परिणाम आया, वह सबके सामने हैं। उन्होंने कहा कि उनका मुद्दा गन्ना मूल्य है, वह अभी तक क्यों घोषित नहीं हुआ। उन्होंने निवर्तमान विधायक की सदस्यता रद्द किये जाने को कोर्ट का फैसला बताते हुए कोई भी टिप्पणी करने से इंकार किया। जयंत चौधरी ने कहा कि भाजपा की नीतियों के कारण ही देश को आज 2 लाख करोड़ से अधिक का चूना लग चुका है।

राज्यसभा का पद स्वीकार नहीं करेंगे पूर्व सीजेआई!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के पूर्व चीफ जस्टिस उदय उमेश ललित ने कहा कि वे सरकारी नियुक्ति को स्वीकार करने के विचार के खिलाफ नहीं हैं। हालांकि उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि वे राज्यसभा या गवर्नर पद को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि यह डिमोशन नहीं है, लेकिन चीफ जस्टिस के स्टेट्स के हिसाब से उचित भी नहीं है। वहीं, उन्होंने कॉलेजियम सिस्टम को बिल्कुल सही और संतुलित प्रक्रिया बताया।

पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई जैसे न्यायाधीशों द्वारा सेवानिवृत्ति के बाद सरकारी पोस्टिंग स्वीकार करने से जुड़े एक सवाल पर यूयू ललित ने कहा कि मेरे विचार से, देश के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पद धारण करने के बाद शायद, मुझे लगता है कि राज्यसभा के नामित सदस्य या किसी राज्य के राज्यपाल का पद सही विचार नहीं है। एक चैनल से बात करते हुए जस्टिस ललित ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के प्रमुख, लोकपाल और विधि आयोग के प्रमुख का जिक्र नौकरियों के रूप में किया और कहा कि अगर उनसे पूछा जाए तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी। उन्होंने साफ किया कि राज्य सभा एक पूरी तरह से अलग बात है। मेरे कहने का मतलब यह है कि एनएचआरसी के अध्यक्ष जैसे स्थान, जहां भी कोई कानून है जिसे संसद ने पारित किया है, और संसद ने उस व्यक्ति को अपेक्षित अनुभव के साथ निर्धारित किया होता है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वह विभिन्न स्तरों पर कुछ कानून से जुड़ी टीचिंग करना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा हो सकता है कि राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी या फिर कुछ लॉ स्कूलों में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में जाऊं।

गुजरात चुनाव में आप के सीएम फेस गढ़वी खंभालिया सीट से लड़ेंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) के सीएम फेस इसुदान गढ़वी खंभालिया सीट से चुनाव लड़ेंगे। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अपने ट्वीट में कहा कि 'किसान, बेरोजगार युवाओं, महिलाओं, व्यापारी के लिए सालों तक आवाज उठाने वाले इसुदान गढ़वी जाम खंभालिया से चुनाव लड़ेंगे।

भगवान कृष्ण की पावन भूमि से गुजरात को एक नया और अच्छा मुख्यमंत्री मिलेगा। केजरीवाल के ट्वीट का जवाब देते हुए इसुदान गढ़वी ने ट्वीट किया कि 'आपने और गुजरात के लोगों ने मुझ पर विश्वास जताया है, मैं विश्वास दिलाता हूं कि मैं अपनी आखिरी सांस तक गुजरात के लोगों की सेवा करूंगा। जय जय गरवी गुजरात। बता दें कि इसुदान गढ़वी राजनीति में आने से पहले एक टीवी पत्रकार थे। आम आदमी पार्टी ने गुजरात के सीएम फेस के लिए एक सर्वे कराया था। उस सर्वे में राज्य के लोगों ने सबसे अधिक वोट गढ़वी को ही दिया था। गढ़वी के बाद लोगों ने गोपाल इटालिया को सीएम फेस के लिए पसंद किया था। आम आदमी पार्टी के सीएम फेस के सर्वे में इसुदान गढ़वी को कुल 73 फीसदी लोगों ने वोट दिया था। गुजरात विधानसभा चुनाव में वोटिंग दो चरणों में होगी। वोटिंग 1 और 5 दिसंबर को होगी।

अयोध्या में चार दिवसीय रामायण मेला 27 से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रामनगरी अयोध्या में दीपोत्सव की तरह ही 41वां रामायण मेला की भव्य तरीके से मनाने की तैयारी की जा रही है। अयोध्या में 41वां रामायण मेला 27 से 30 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। अयोध्या में रामायण मेला करीब दो वर्ष बाद काफी धूमधाम से आयोजित कराने की तैयारी की जा रही है।

मुख्यमंत्री अयोध्या में परंपरागत तरीके से होने वाले 41 वें रामायण मेले के द्वितीय दिवस के कार्यक्रम पोस्टर (आवरण छवि) का लोकार्पण किया। रामायण मेला समिति के संयोजक आशीष कुमार मिश्र ने बताया कि आज सीएम योगी आदित्यनाथ ने जिस पोस्टर का लोकार्पण किया है, उसमें रामायण मेला में होने वाले द्वितीय दिवस के कार्यक्रम के क्रम में राम बारात आगमन, पांव पूजन की रस्म, चारों भाइयों का अग्नि का फेरा और सभी वर वधु का ऋषियों से आशीर्वाद प्राप्त करने की लीला को दर्शाया गया है।

आरटीई के तहत सूचना देने में कोताही बरत रही सरकार

» कांग्रेस का आरोप- समय पर नहीं मिल रही सूचनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सरकार आरटीई कानून के तहत सूचना देने में कोताही बरत रही है। लोगों को सूचनाएं मिलने और न मिलने के मामले में अपील की सुनवाई व निस्तारण में तीन वर्ष से ज्यादा तक का समय लग रहा है। प्रवक्ता विकास श्रीवास्तव ने कहा है कि लंबित शिकायतों में सबसे ज्यादा 52,326 अपीलें यूपी में हैं। दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र है। केंद्रीय सूचना आयोग में भी दिसम्बर 2021 तक 32,147 आरटीआई मामले लंबित थे।

सूचना आयोगों द्वारा लगाए गए जुर्माने के विश्लेषण से पता चलता है कि उन्होंने 95 प्रतिशत मामलों में दंड नहीं लगाया, जहां दंड संभावित रूप से लगाया जा सकता था। सूचना आयोग का काम है कि लोगों के सूचना का अधिकार की सुरक्षा करें और उन्हें मांगी गई जानकारी उपलब्ध करवाए लेकिन एक रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में आरटीआई आवेदकों के उत्पीड़न और हत्या के मामले बढ़ रहे हैं। राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में स्वयं केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने संसद में बताया कि 2021-22 में छह दिसंबर 2021 की स्थिति के अनुसार 32,147 आरटीआई अनुरोध लंबित है।

पीसीएस एसोसिएशन की कार्यकारिणी का चुनाव जल्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लंबे समय से निष्क्रिय रही उत्तर प्रदेश पीसीएस एसोसिएशन की बैठक 27 नवंबर को राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होगी। बैठक में एसोसिएशन की अस्थायी कार्यकारिणी का चुनाव होगा। यह निर्णय वर्चुअल माध्यम से हुई एसोसिएशन की बैठक में हुआ।

अस्थायी कार्यकारिणी मौजूदा से चार्ज लेकर एसोसिएशन की वार्षिक सामान्य सभा का आयोजन कराएगी ताकि उसमें नई कार्यकारिणी का चुनाव हो सके। यदि सर्वसम्मति बनी तो 27 तारीख को चुनी जाने वाली कार्यकारिणी ही स्थायी कार्यकारिणी का दायित्व भी निभा सकती है। पीसीएस एसोसिएशन की वर्तमान कार्यकारिणी का चुनाव वर्ष 2019 में हुआ था जिसमें इंद्रमणि त्रिपाठी को अध्यक्ष, पवन गंगवार को महासचिव तथा सुनील चौधरी, अनिल कुमार व अनिल कुमार को उपाध्यक्ष चुना गया था।

परसेंटेज के बिना उत्तराखंड में नहीं होता कोई काम : तीरथ सिंह

» पूर्व सीएम रावत ने अपनी ही सरकार पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। फटी जींस बयान पर विवादों में घिर चुके उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत का एक बार फिर बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में 'परसेंटेज' के बिना कोई काम नहीं होता है। रावत का कहना था कि यह बात उन्होंने पहले भी कई बार कही है। कहा कि कमीशनखोरी जैसे मामलों पर लगाम लगाने को सख्त से सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

रावत ने कहा कि अधिकारियों को दंडित करने से कुछ नहीं होने वाला है जब तक कि जनप्रतिनिधियों की भी जिम्मेदारी तय करते हुए उनके खिलाफ एक्शन नहीं होता। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, पूर्व सीएम तीरथ ने कहा कि चाहे जल निगम हो या फिर जल संस्थान या फिर और कोई विभाग हो, ऐसा वह सुनते थे कि यूपी के समय पर काम करवाने के लिए जीरो से 20 प्रतिशत तक का कमीशन तय होता था। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि उत्तराखंड राज्य बनने के बाद प्रदेश में कमीशनखोरी में इजाफा हुआ है। रावत का कहना था कि लोग बताते हैं कि परसेंटेज के बिना कोई भी काम नहीं होता है। यूपी से विभाजन के बाद कमीशनखोरी का रेट 20 फीसदी तक था, जो उत्तराखंड में जीरो पर आ जाना चाहिए था, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि उत्तराखंड में कमीशनखोरी रेट कम होने की बजाय बढ़ा है। मुझे यह कहना नहीं चाहिए, क्योंकि उत्तराखंड में भाजपा की सरकार है, लेकिन मुझे कहने में कोई हिचक नहीं होती की जब हम उत्तर प्रदेश में थे तो हमें कमीशनखोरी छोड़कर आना चाहिए था, जो हुआ नहीं।

फोटो : 4पीएम

पुष्पांजलि कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू की जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण करते प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी, विधायक आराधना मिश्रा, नकुल दुबे व अन्य। इस मौके पर कांग्रेस सेवा दल की कार्यकारिणी के सदस्य भी मौजूद रहे।

22 को गुजरात में चुनाव प्रचार करेंगे राहुल गांधी

भारत जोड़ो यात्रा से ब्रेक लेंगे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 22 नवंबर को गुजरात में चुनाव प्रचार करेंगे। वह कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा से ब्रेक लेकर गुजरात का दौरा करेंगे। गुजरात में दो चरणों में 1 और 5 दिसंबर को चुनाव होने हैं। वोटों की गिनती 8 दिसंबर को होगी। हिमाचल प्रदेश में विधान सभा चुनाव प्रचार नहीं करने के कारण पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष को भाजपा की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, जहां 12 नवंबर को विधानसभा चुनाव हुए थे।

अब हिमाचल में चुनाव खत्म होने के साथ ही कांग्रेस गुजरात पर फोकस कर रही है। अगले कुछ हफ्तों में, कांग्रेस के प्रमुख पार्टी नेताओं द्वारा चुनावी राज्य में कई प्रचार रैलियां निर्धारित की गई हैं। इसके तहत पार्टी आगामी 15 दिनों में कुल 25 मेगा रैली करेगी जो 125 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करेगा। कांग्रेस की ये रैलियां आक्रामक चुनावी रणनीति के तहत होंगी, जिसमें पार्टी के तमाम बड़े नेता शिरकत करेंगे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, दोनों मुख्यमंत्री- अशोक गहलोत और भूपेश बघेल; कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के अलावा पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्रियों और ओबीसी-एससी-एसटी-अल्पसंख्यक वर्ग के बड़े नेता भी आगामी दिनों में गुजरात में चुनावी रैलियां और चुनाव प्रचार करेंगे। इस बीच, कांग्रेस ने गुजरात चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की छठी सूची जारी कर दी है। इस ताजा सूची के जारी होने के साथ ही पार्टी ने अब तक राज्य की 142 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है।

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा पर सुशील मोदी का हमला

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि बिहार में 30 साल से राजद की बैसाखी पर चलने की अभ्यस्त कांग्रेस अब इतनी हताश और मृतप्राय है कि कोई यात्रा उसमें प्राण नहीं फूंक सकती। मोदी ने कहा कि राहुल गांधी ऐसी भारत जोड़ो यात्रा पर निकले हैं, जिसमें भारत तेरे टुकड़े होंगे का नारा लगाने वाले सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि भारत पहले से जुड़ा हुआ और एकजुट है, जबकि कांग्रेस ही अक्सर टुकड़े-टुकड़े गैंग के साथ खड़ी दिखी। मोदी ने कहा कि राहुल गांधी की यात्रा का राजनीतिक असर यही है कि जिस तेलंगाना से वे गुजरे , वहां के एक उपचुनाव में कांग्रेस की जमानत जब्त हो गई। उन्होंने कहा कि हिमाचल और गुजरात जैसे चुनावी राज्यों में राहुल गांधी की यात्रा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा केवल फोटो खिंचवाने का इवेंट भर है।

भदौरिया के खिलाफ एक्शन में यूपी पुलिस तलाश में दबिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» सीएम योगी पर अमर्यादित टिप्पणी के बाद से गायब है सपा प्रवक्ता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अमर्यादित टिप्पणी करने के आरोपित समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता अनुराग भदौरिया की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। सपा प्रवक्ता के खिलाफ राजधानी लखनऊ के हजरतगंज थाने में मुकदमा दर्ज करने बाद पुलिस उनकी तलाश में दबिश दे रही है। डीसीपी मध्य अपर्णा रजत कौशिक के मुताबिक आरोपित कई टीमें गठित की गई हैं। आरोपित के संभावित ठिकानों पर दबिश जारी है। जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

फिलहाल वह गायब है। कहीं छिप गए हैं। हालांकि डीसीपी मध्य के निर्देशन में कल देर रात तक पुलिस की छापेमारी जारी रही। माना जा रहा है कि पुलिस अनुराग भदौरिया के करीब है और जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर लेगी। बता दें कि समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता अनुराग भदौरिया ने एक न्यूज चैनल पर डिबेट के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ पर अमर्यादित टिप्पणी की थी। आरोप है कि सीएम योगी के अलावा अनुराग ने ब्रह्मलीनमहंत अवेद्यनाथ के बारे में भी अभद्र बातें कही थीं।

दिसंबर में शुरू होगा राम मंदिर के परकोटा का निर्माण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या में राम मंदिर के साथ ही अब परकोटा का निर्माण भी चलेगा। इसकी शुरुआत दिसंबर मध्य में होगी। प्रारंभ में परकोटा की नींव तैयार की जाएगी, जिसमें कंक्रीट मैटीरियल प्रयुक्त होगा। बाद में तकरीबन नौ लाख घन फीट पत्थरों से इसे आकार दिया जाएगा। यह तकरीबन एक किलोमीटर की परिधि में होगा। परकोटा में मंदिर प्रांगण सहित कुल आठ एकड़ भूमि को घेरा जाएगा। इसका आकार आयताकार होगा और ये दो मंजिला होगा। इसके पूरब हिस्से में ही प्रवेश द्वार निर्मित किया जाएगा। परकोटा भीतरी भूतल से 18 फीट ऊंचा और 14 फीट चौड़ा निर्मित किया जाएगा। इसी दीवारों पर गढ़े हुए पत्थर लगाए जाएंगे। इसके व राम मंदिर की बाहरी प्राचीर के बीच से श्रद्धालुगण मुख्य गर्भगृह में विराजमान रामलला की परिक्रमा भी कर सकेंगे। इसकी तैयारी कार्यदायी संस्था एलएंडटी ने शुरू कर दी है।

औकात बताने का रिमोट जनता के पास कांग्रेस अपनी चिंता करें : भूपेंद्र सिंह

» मधुसूदन की अमर्यादित टिप्पणी पर यूपी बीजेपी अध्यक्ष का करारा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मधुसूदन मिस्त्री द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक और अमर्यादित टिप्पणी किए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की प्रतिक्रिया आने लगी है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने उन्हें करारा जवाब दिया है।

उन्होंने कहा है कि औकात बताने का रिमोट जनता के पास है, जिसका वह 2014 से ही सही इस्तेमाल करती आ रही है। भूपेंद्र सिंह चौधरी ने ट्वीट कर लिखा कि विलुप्त होने की दहलीज पर खड़ी कांग्रेस पार्टी के गालीबाज नेताओं को समय-समय पर प्रधान सेवक नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक व अमर्यादित टिप्पियां की है। इस बार कांग्रेस नेता मधुसूदन मिस्त्री ने एक साक्षात्कार के दौरान गुजरात चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी की औकात बताने की बात कही। भूपेंद्र सिंह चौधरी आगे लिखते हैं मिस्त्री जी, औकात बताने का रिमोट जनता जनार्दन के पास है। जिसका वो 2014 से ही सही इस्तेमाल करती आ रही है। देश की जनता ने इन गालियों का जवाब हर बार ईवीएम पर कमल का बटन दबा कर दिया है। मुझे पूरा विश्वास है कि जैसे विगत 27 वर्षों में कांग्रेस पार्टी को उसकी औकात गुजरात की जनता दिखाती आई है। ठीक उसी प्रकार अपने बेटे के इस अपमान का करारा जवाब आगामी चुनाव में जरूर देगी।

आवश्यकता है

लखनऊ के तेजी से बढ़ते हुए बहुचर्चित अखबार सांध्य दैनिक 4PM जिद...सच की के लिये अनुभवी उपसंपादक और वीडियो एडिटर की जरूरत है।

खबरों पर तेज निगाह रखने वाले अपनी सीवी मेल करें।

daily4pm@gmail.com
sharmasanjaya.05@gmail.com

दिल की बीमारी से पीड़ित मनुश्री के प्रति गौतम अडानी की मानवीय पहल

मासूस बच्ची के इलाज का पूरा खर्च उठाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के सरोजनी नगर की रहने वाली मासूम बच्ची के लिए सुखद खबर आई है। गंभीर बीमारी से पीड़ित अब उस बच्ची का इलाज हो सकेगा। बच्ची के इलाज का पूरे खर्च का बीड़ा उठाया है उद्योगपति गौतम अडानी ने। भारत के सबसे अमीर आदमी ने लखनऊ के सरोजिनी नगर इलाके में रहने वाली 4 साल की मनुश्री के बारे में एक ट्विटर पोस्ट को रीट्वीट करते हुए एक पोस्ट किया। अडानी ने ट्विटर पर लिखा कि मनुश्री बहुत जल्द ठीक हो जाएंगी। बच्ची की बीमारी जल्द छू-मंतर हो जाएगी। उन्होंने अडानी फाउंडेशन को 4 साल के बच्चे के परिवार से संपर्क करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि परिवार को हर संभव मदद मिलेगी, जिसकी उसे जरूरत है। मनुश्री अपने दोस्तों के साथ खेलकर स्कूल वापस आएंगी। बच्ची दिल की बीमारी से पीड़ित हैं, उसका इलाज चल रहा है।

मनुश्री

हालांकि पोस्ट में कहा गया है कि एसजीपीजीआई के डॉक्टरों ने मरीज के इलाज पर 1.25 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान लगाया है। यह उल्लेख करते हुए कि परिवार के सदस्यों की अल्प आय उन्हें प्रक्रिया के लिए भुगतान करने से रोकती है, पोस्ट ने लोगों से उनकी इच्छानुसार मदद करने के लिए कहा और एक यूपीआई कोड साझा किया। सोशल मीडिया पर चले अभियान से छोटे बच्चे की मदद करने के लिए अडानी के प्रयासों की लखनऊ राइट्स ने सराहना की है। एक ट्विटर ने लिखा कि आपकी इस तरह की दयालुता और अच्छा काम हमें भविष्य में इस तरह के काम करने के लिए प्रेरित करेगा। उपयोगकर्ता ने कामना की कि भगवान गौतम अडानी को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए और अधिक संपत्ति प्रदान करें। बता दें कि 21 अक्टूबर को प्रकाशित एडलगिव हुरुन इंडिया परोपकार सूची 2022 में, गौतम अडानी को सातवें स्थान पर रखा गया था।

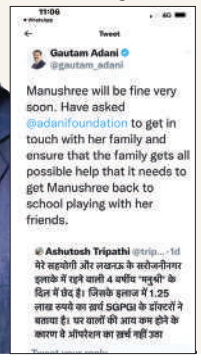

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।